पहचानें मन की अद्भुत शक्ति को

साधारणत: लोग शरीर की शक्ति को ही सर्वोपरी मानते हैं। स्थूल से भी बढ़कर सूक्ष्म शक्ति अधिक ताकतवर होती है। आदि शक्ति सूक्ष्म है। सूक्ष्म ही स्थूल का कारण है। शुरू में मनुष्य हाथ पैर, जानवरों व घोड़े आदि से कार्य करता था। जब भाप का आविष्कार हुआ तो वही कार्य बहुत आसानी से होने लगे। बिजली की शक्ति का ज्ञान हुआ तो वह भाप से सूक्ष्म थी। वह हजारों मील दूर बैठे बैठे भी बड़े बड़े काम करने लगा। अब मनुष्य अणु शक्ति जो कि बिजली से भी सूक्ष्म है उसे कार्य में लेने लगा है। इससे आशा की जा रही है कि बड़े बड़े पहाड़ों एवं समुन्दर का भी रुख बदला जा सकता है। ये सब भौतिक शक्तियां हैं। इनका प्रभाव भौतिक जगत तक ही रहता है। हमारा मन भौतिक शक्तियों से कहीं अधिक सूक्ष्म है। मन इन सबसे अधिक शक्ति का भंडार है। बस हमें मन से कार्य लेने की विधि ज्ञात नहीं। मन की शक्तियों का भी ज्ञान नहीं है। मन की शक्ति से ऐसे ऐसे कार्य कर कर सकते हैं, जो भौतिक शक्तियों से असम्भव हैं। मेस्मेरिज़्म, हिप्नोटिज़्म, मन की शक्ति के साधारण कार्य हैं। इन्हीं द्वारा कैसे असम्भव बातें कर दिखाई हैं। प्रश्न का उत्तर सुनने से पहले ही बता देते हैं। भविष्य की बातें बता देते हैं। दूसरों के दिमाग में उठने वाले विचारों को पढ़ लेते हैं।

मन एक विश्वव्यापी तत्व है। इसी कारण हम अपने विचार दूसरों को बिना किसी माध्यम के भेज सकते हैं। दूसरों के मन को अपनी इच्छा अनुसार मोड़ सकते हैं। महापुरुष नये राष्ट्र का निर्माण ऐसे ही करते हैं। मन की शक्ति को कहाँ तक बढ़ा सकते हैं, इसका कोई अंत नहीं है। जब हम मन को किसी एक विषय में लगा देते हैं,

हमारा मन भौतिक शक्तियों से कहीं अधिक सूक्ष्म है। मन इन सबसे अधिक शक्ति का भंडार है। बस हमें मन से कार्य लेने की विधि ज्ञात नहीं। मन की शक्तियों का भी ज्ञान नहीं है। मन की शक्ति से ऐसे ऐसे कार्य कर कर सकते हैं, जो भौतिक शक्तियों से असम्भव हैं।

तो आश्चर्यजनक चीज़ें करके दिखा सकते है। गणित, ज्योतिष, चिकित्सा, रसायन शास्त्र, भौतिक विज्ञान आदि की रचना उन लोगों ने मन की शक्ति से ही की थी। सोने के रूप में बदलने, शरीर को लगभग अमर बनाने, किसी यंत्र को आकाश में उड़ाने जैसे असम्भव कार्य भी मन से कर दिखाये। मन की शक्ति को दूसरों की उन्नति के लिये लगाएं तो संसार का बड़ा कल्याण हो सकता है। वास्तविक शक्ति वह नहीं जो दिखाई देती है। मुख्य शक्ति बुद्धि बल एवं मानसिक बल है जो फिर स्थूल रूप में आँखों से दिखाई देती है। कार्य को करने में एक हाथ लगा रहता है, किंतु हाथ की स्वयं की कोई शक्ति नहीं होती। हाथ बुद्धि व मानसिक बल से सम्बन्धित होता है। इन दोनों शक्तियों के सामंजस्य से ही पूर्ण मनुष्य का निर्माण होता है। बुद्धि किसी निश्चित लक्ष्य की ओर जाने का निर्णय करती है। मानसिक बल स्थूल अंगों से उसे पूरा करता है। जो सामने आया उसी में लग गये, किसी ने जो कहा करने लग गये, ये शक्ति को यों ही छिन्न भिन्न करने जैसा है। पहले लक्ष्य बनाओ, फ़िर उसी पर कार्य करो। स्वास्थ्य सुधार और चिकित्सा में भी मानसिक बल मुख्य है।

ओमशान्ति मीडिया वर्ग पहेली-20 (2017-2018)

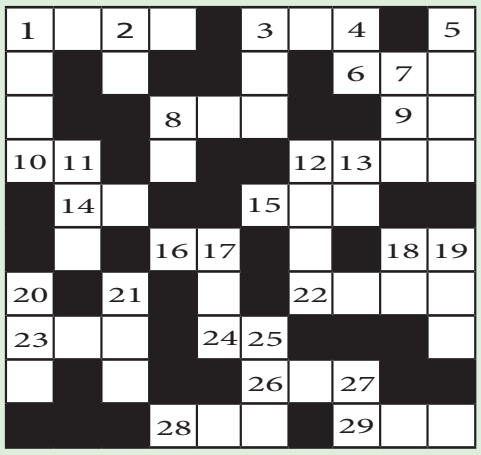

ऊपर से नीचे

1. ब्रह्मा बाबा और शिव बाबा का कम्बाइन्ड स्वरूप (4)
2. वेद, धार्मिक ग्रन्थ (2)
3. शुद्ध, पवित्र, पाक (3)
4. विष्णु की....से ब्रह्मा निकला (2)
5. तुम बच्चों का यह.... जन्म है, तुम्हें जीते जी सब भूलना है, द्विज (4)
7. धुन, राग, सुर (3)
8. सवाल, पूछताछ (2)
11. बल, शक्ति, ज़ोर (3)
12. परिचय, जानकारी (4)
13. शिव, ... हर महादेव, प्रत्येक (2)
17. योग्य, उचित, ठीक (3)
18. इज्जत, रूतबा (2)
19. जपना,बार-बार कहना (3)
20. आने वाला कल, आने वाला समय (3)
21. मुझे अपनी...में ले लो राम, पनाह (3)
25. यही....है दुनिया को भूल जाने की, रौनक, फिज़ा, मौसम (3)
27. विषैला सर्प, माया 5 मुख वाला... है (2)

बायें से दायें

1. राजा, तुम बच्चों को बेफिकर... बनना है (4)
3. तेरी....का बाबा एहसान चुकायें किस तरह, परवरिश (3)
6. अन्दर, मन में (3)
8. देना, दी जाने वाली वस्तु, इनाम (3)
9. खुश, सहमत, स्वीकार (2)
10. दानी, देने वाला (2)
12. पोशाक, परिधान (4)
14. कर्त्तव्य, कार्य (2)
15. नगर, कस्बा, छोड़.... का शोर (3)
16. योग्यता, 16.... सम्पूर्ण सम्पूर्ण निर्विकारी (2)
18. निचोड़, तत्व, रस (2)
22. चंचल, बड़ा.... है किशन कन्हैया (4)
23. 5....नर्क का द्वार (3)
24. किस समय, कभी नहीं (2)
26. पराजित, असफल होना (3)
28. असीमित, जिसका पार न पाया जा सके (3)
29. नभ, आकाश, अम्बर (3)

- ब्र.कु. राजेश,शांतिवन।

वर्ग पहेली उत्तर

पहेली - 9
फरवरी - 1 ओम - 21
2017 - 2018

ऊपर से नीचे
1. टिकलू-टिकलू, 2. फरिश्ता, 4. वाममार्ग, 7. पालना, 8. टपकना, 10. नाज, 11. मामेकम, 14. नम, 17. महात्मा, 19. जानकी, 22. कमजोर, 23. मूर्छित, 25. झांकना, 26. जरा।

बायें से दायें
1. टिकटिक, 3. दवा, 5. शारीरिक, 6. लूटपाट, 9. लपकना, 11. मार्ग, 12. नाक 13. जन, 15. लून, 16. नाम, 18. मज़ाक, 20. हार, 21. नमक, 23. मूर्ख, 24. आत्मा, 25. झांकी, 27. तकरार, 28. खाना, 29. सार।

पहेली - 10
फरवरी - 2 ओम - 22
2017 - 2018

ऊपर से नीचे
1. असर, 2. किसने, 3. कब, 5. यादगार, 7. बलिहार, 9. नज़र, 11. जिस्म, 13. महातीर्थ, 14. नख, 16. समीप, 20. कुटुम्ब, 22. कमाल, 23. ताला, 25. रम, 26. मर।

बायें से दायें
1. अलौकिक, 4. कयामत, 6. सबब, 8. गायन, 10. हाज़िर, 12. जन्म, 13. महान, 15. रस्म, 16. सर, 17. खत, 18. जमी, 19. तीर्थ, 20. कुल, 21. पलक, 24. अम्बर, 26. महल, 27. कला, 28. मदार।

पहेली - 11
मार्च - 1 ओम - 23
2017 - 2018

ऊपर से नीचे
2. समर्थ, 3. निशा, 4. पग, 7. रूद्र, 8. प्रभात, 9. आम, 10. सरसों, 11. समाप्त, 12. विनाश, 13. खिवैया, 15. तकदीर, 16. नाला, 17. सुधारना, 18. वैष्णव, 20. नारद, 21. रीस, 23. धाक।

बायें से दायें
1. मोती, 2. सम्पन्न, 3. निर्लेप, 5. दिशा, 6. पुरूषार्थ, 9. आभा, 10. सर्विस, 13. खिदमतगार, 14. यातना, 19. कला, 20. नामधारी, 22. कृष्ण, 23. धार, 24. रस, 25. वक्खर, 26. कद।

पहेली - 12
मार्च - 2 ओम -24
2017 - 2018

ऊपर से नीचे
2. जून, 3. राक्षस, 5. नामीग्रामी, 6. साक्षी, 9. तह, 10. खुशनसीब, 11. भल, 13. कब, 17. लक्ष्य, 18. दुनिया, 19. चीज़, 21. भाग्य, 22. नशा, 24. काल, 26. लीक, 27. कपट, 28. कसर, 29. सखि, 31. गुण।

बायें से दायें
1. उजूरा, 4. फुरना, 7. नक्षत्र, 8. मीत, 12. ग्राहक, 14. शक, 15. खेल, 16. बल, 20. निशा, 21. भान, 23. बकाया, 25. भाग्यशाली, 28. कर, 30. सतगुरू, 32. खिटपिट।

ब्रह्मापुर-पी.यू.आर.सी.(ओडिशा)। सात दिवसीय 'बाल विकास शिविर' के समापन समारोह के उपरांत समूह चित्र में विधायक डॉ. आर.सी.सी.पटनायक, डायबिटोलॉजिस्ट डॉ. पी.सी.पात्र, ब्र.कु. मंजू, ब्र.कु. माला तथा प्रतिभागी बच्चे।

आगरा-कमला नगर। ब्रह्माकुमारीज़ के प्रशासक सेवा प्रभाग द्वारा प्रशासक वर्ग के लिए 'स्व शासन से सु-प्रशासन' विषय पर आयोजित सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए डिविज़नल कमिश्नर राम मोहन राव, जिलाधिकारी गौरव दयाल, भारत सरकार के संयुक्त सचिव शशांक शेखर,दिल्ली, लेबर कोर्ट के पीठासीन अधिकारी सीता राम मीणा, ब्र.कु. आशा, ब्र.कु. शीला, ब्र.कु. कविता तथा अन्य।

शिवराजपुर-उ.प्र.। आध्यात्मिक चर्चा के पश्चात् चेयरमैन विनोद कुमार तिवारी को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. रोहिणी। साथ हैं ब्र.कु. शिव प्रसाद।

शांतिवन। 'एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड' के पैंतीस सदस्यों को शांतिवन परिसर का अवलोकन कराने के पश्चात् दृष्टि बाधित भाई-बहनों की आत्मिक उन्नति हेतु ब्रेल लिपि में छपाये गए राजयोग साप्ताहिक कोर्स की किताब एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड,बड़ौदा के सेक्रेट्री के.आई. गिरी को भेंट करते हुए दिव्यांग सेवा विभाग के संयोजक ब्र.कु. सूर्यमणि। साथ हैं ब्र.कु. शीतल,गुज.।

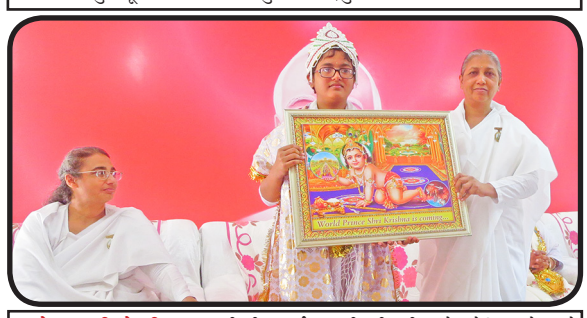

भुवनेश्वर-बी.जे.बी.नगर। सी.बी.एस.ई. दसवीं की परीक्षा में ओडिशा में दूसरे रैंक और भारत में पाँचवें रैंक में आने पर ब्र.कु. आराधना को ईश्वरीय सौगात भेंट कर सम्मानित करते हुए एवं बधाई देते हुए ब्र.कु. तपस्विनी। साथ हैं ब्र.कु. ज्योत्सना।

भरतपुर-राज.। विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर ब्रह्माकुमारीज़ तथा चिकित्सा एवं स्वास्थ्य केन्द्र द्वारा जिला परिवहन कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए ब्र.कु. बबीता। साथ हैं ब्र.कु. गीता तथा अधिकारीगण।